



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]
No. 22]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 3, 1978/ज्येष्ठ 13, 1900
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 1978/JYAISTHA 13, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

पूर्व विन्यास, अधिनियम, 1890 के विषय में और सेवा कल्याण
निधि के विषय में
नई दिल्ली, 18 मई, 1978

सा० का० नि० 177.—सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, रक्षा मंत्रालय (और सेवा कल्याण निधि) ने न्याय में की "सेवा कल्याण निधि" (जिसे हमें इसके पश्चात् निधि कहा गया है) को पूर्ण प्रयोजनों के लिए उपयोजित करने की प्रस्थापना करने वाले व्यक्ति होने के नाते, हमसे उपाबद्ध अनुसूची 'क' में वर्णित निधि को, भारतीय पूर्व विन्यास कोषपाल में विनिहित किए जाने और उक्त निधि के प्रशासन के लिए एक स्कीम बनाने के लिए आदेशन किया है।

यह अधिसूचना दी जाती है कि केन्द्रीय सरकार, पूर्व विन्यास अधिनियम 1890 (1890 का 6) की धारा 4 और 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और यथापूर्वोक्त आदेशन पर और उक्त सचिव की सहमति से आदेशन करती है और निवेश देती है कि पूर्वोक्त अनुसूची 'क' में उपवर्णित धनराशि, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से, भारतीय पूर्व विन्यास कोषपाल और उसके पश्चात्-वर्तियों में, उक्त निधि के प्रशासन के लिए, इससे उपाबद्ध अनुसूची 'ख' में दी गयी स्कीम में उपवर्णित न्यासों और निबन्धनों के अनुसार उक्त निधि और उसकी आय को न्यास में धारित करने के लिए (उक्त अधिनियम के उपबन्धों और समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा तदधीन बनाए गए नियमों के अधीन रहते हुए) निहित होगी और तब से निहित होगी।

और यह भी अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार ने यथापूर्वोक्त आदेशन पर और उक्त सचिव की सहमति से, इससे उपाबद्ध

अनुसूची 'ख' में दी गयी स्कीम, उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन उक्त विन्यास के प्रशासन के लिए बनाई है और उक्त अधिनियम की उक्त धारा 5 की उपधारा (3) के अधीन यह भी आदेशन किया जाता है कि यह इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

अनुसूची 'क'

अनुसूचित बैंकों में 30 लाख रु० की राशि विनिहित की जाएगी।

अनुसूची 'ख'

पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 के विषय में और सेवा कल्याण निधि के विषय में

निधि के प्रशासन के लिए स्कीम

1. परिभाषाएं :—इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा प्रपेक्षित न हो,

(क) 'निधि' से सेवा कल्याण निधि अभिप्रेत है,

(ख) 'वर्ष' से 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

2. निधि के उद्देश्य :—निधि के उद्देश्य निम्नलिखित होंगे :—

(i) सशस्त्र बल के अस्पतालों में कार्य कर रहे भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के कल्याण अधिकारियों के वेतनमान के पुनरीक्षण से उत्पन्न होने वाले वित्तीय वायित्व की पूर्ति करना।

(ii) भूतपूर्व सैनिकों की पश्चात्कर्तों चिकित्सीय वैद्य-रेख के सम्बन्ध में व्यय की पूर्ति करना।

3. विस्तार :—उक्त उद्देश्यों का विस्तार सम्पूर्ण भारत पर होगा।

4. निधि की प्राप्ति :—अनुसूची 'क' में दी गयी धनराशि के अतिरिक्त, निधि की प्राप्तियों में सरकार से अनुदान तथा सदान और संवेच्छया विन्यास जब कभी दिए या प्राप्त किये जाते हों, भी सम्मिलित है।

5. प्राप्ति का निहित होना :—निधि की प्राप्ति स्कीम के अधीन भारतीय पूर्व विन्यास कोषपाल में निहित होगी।

निधि का प्रबन्ध :—भारतीय पूर्त विन्यास कोषपाल निधि के प्रबन्ध या प्रशासन में कार्य नहीं करेगा, किन्तु केन्द्रीय सरकार द्वारा दिए गए किसी साधारण या विशेष निदेशों के अधीन रहते हुए, ऐसा प्रबन्ध और प्रशासन प्रबन्ध समिति में निहित रहेगा जिसको इसके पश्चात् उल्लेख किया गया है।

7. प्रबन्ध समिति :— निधि के प्रबन्ध और प्रशासन के लिए एक प्रबन्ध समिति का गठन किया जाएगा जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

पुनर्वास महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय	अध्यक्ष
अपर वित्त सहायकार, वित्त मंत्रालय (रक्षा)	सदस्य
उप महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएं	सदस्य
मसिंग सेवा निदेशक	मदस्य
महानिचय भारतीय रैडक्रास सोसायटी	सदस्य
सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, रक्षा मंत्रालय	सदस्य-सचिव

टिप्पण :—अध्यक्ष की अनुपस्थिति में विद्यमान स्पेष्ठ मदस्य अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा।

8. प्रबन्ध समिति के सदस्यों के बारे में उपबन्ध :—

- (1) जहां कोई व्यक्ति उस पद के कारण जिसे वह धारण करता है प्रबन्ध समिति का सदस्य बनता है वहां उसकी सवस्यता उस पद के छोड़ने के साथ ही समाप्त हो जाएगी और उसका पद उत्तरवर्ती जब तक केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्यथा निर्दिष्ट न किया जाए उसके रिक्ति में नामनिर्देशित किया गया समझा जाएगा।
- (2) पूर्ववर्ती उपखण्ड के अधीन रहते हुए, प्रबन्ध समिति का सदस्य इस प्रकार सवस्य नहीं रहेगा यदि उसकी मृत्यु हो जाती है, वह विकृत चित्त का हो जाता है या विवाल्या हो जाता है या सैनिक अधमता वाले किसी दण्डित अपराध के लिए दोषी सिद्ध किया जाता है या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके पद से हटा दिया जाता है या उसके विद्यमान पद से अन्तरित कर दिया जाता है।
- (3) सदस्यता से त्यागपत्र प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष को दिया जाएगा और वह जब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि वह अध्यक्ष द्वारा समिति की ओर से स्वीकार नहीं कर लिया जाता।
- (4) उपखण्ड (1) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, उपखण्ड (2) में उल्लिखित किसी भी कारण के प्रबन्ध समिति में हुई रिक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा नामनिर्देशित द्वारा भरी जाएगी।

9. कारबार का संचालन :—(1) प्रबन्ध समिति कारबार के संचालन के लिए बैठक कर सकेगी, उसका स्थगन कर सकेगी और अपनी बैठकों और कार्यवाहियों को अन्यथा विनियमित कर सकेगी जैसा कि उप-विधियों द्वारा अवधारित किया जाए।

- (2) जब तक अन्यथा अवधारित न किया जाए, प्रबन्ध समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति तीन सदस्यों की होगी।
- (3) प्रबन्ध समिति की बैठक जिसमें गणपूर्ति हो, समिति के सभी या किन्हीं कृत्यों के करने के लिए सक्षम होगी।
- (4) प्रत्येक विषय का अवधारण विद्यमान और प्रश्न पर मत देने वाले सदस्यों के बहुमत से किया जाएगा और यदि मत बराबर हों तो अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति का निर्णायक मत होगा।

10. प्रबन्ध समिति के कृत्य :—प्रबन्ध समिति, इस बात के होते हुए कि कोई भी ऐसा व्यक्ति जो अपने पद के कारण सदस्य होने का हकदार

है किन्तु तत्समय सदस्य नहीं है और प्रबन्ध समिति में कोई अन्य रिक्ति होते हुए भी कार्य करेगी और प्रबन्ध समिति का कोई कार्य या कार्यवाही उपरोक्त किसी भी घटना के घटित होने के या प्रबन्ध समिति के किसी सदस्य की नियुक्ति में किसी त्रुटि के कारण ही अधिविमान्य नहीं होगी।

11. उपविधियों की विरचना :—प्रबन्ध समिति निधि और उसके न्यासों विनियमन और प्रबन्ध तथा उसके निष्पादन से सम्बद्ध किसी अन्य प्रयोजन के लिए उप-विधियां बनाएगी और समय-समय पर उनमें, परिवर्तन या फेरफार कर सकेगी या उन्हें विच्छिन्न कर सकेगी।

12. प्रबन्ध समिति के सदस्य पारिश्रमिक पाने के हकदार नहीं होंगे :— प्रबन्ध समिति के सदस्य और सचिव कोई पारिश्रमिक पाने के हकदार नहीं होंगे किन्तु प्रबन्ध समिति की बैठकों में उपस्थित होने के लिए या निधि के प्रशासन से सम्बद्ध प्रयोजनों के लिए की गयी यात्राओं की बाबत अपने वास्तविक यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति पाने के हकदार होंगे।

13. कर्मचारीवृन्द की नियुक्ति :—(1) प्रबन्ध समिति ऐसे कर्मचारीवृन्द को नियुक्त करेगी जो वह आवश्यक समझे।

(2) इस प्रकार नियुक्त किए गए किसी कर्मचारीवृन्द का पारिश्रमिक प्रबन्ध समिति द्वारा नियत किया जाएगा।

14. धन का निक्षेप :—प्राप्त सभी धन भारतीय स्टेट बैंक या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त अनुमोदित किसी अन्य अनुसूचित बैंक में निक्षिप्त किया जा सकता है।

15. लेखा और संपरीक्षा :—(1) निधि से सम्बन्धित सभी धन और सम्पत्ति के नियमित लेखे रखे जाएंगे और उनकी चाटई एकाउन्टेन्ट द्वारा या चाटई एकाउन्टेन्टों की फर्म द्वारा या किसी अन्य मान्यता प्राप्त संपरीक्षक द्वारा जो प्रबन्ध समिति द्वारा नियुक्त किया जाए, संपरीक्षा की जाएगी।

(2) संपरीक्षक यह भी प्रमाणित करेगा कि निधि में से व्यय, निधि के उद्देश्यों के अनुसार सही रूप में उपगत किए गए हैं।

(3) निधि के संपरीक्षक द्वारा सम्यकरण से संपरीक्षित और प्रमाणित निधि के वार्षिक लेखा की प्रतिमा प्रत्येक वर्ष प्रबन्ध समिति के समक्ष पेश की जाएगी।

16. निधि की संक्रिया :—प्रबन्ध समिति की ओर से निधि की संक्रिया पुनर्वास महानिदेशक रक्षा मंत्रालय और सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, रक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी।

17. संविदा :—सभी संविदाएं और अन्य हस्तांतरण—पत्र प्रबन्ध समिति के नाम से होंगे और पुनर्वास महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय और सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड द्वारा उनकी ओर से हस्ताक्षरित किए जाएंगे।

18. निधि का उपयोग :—प्रबन्ध समिति के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह यथा उपरिर्णित निधि के उद्देश्यों के लिए निधि में से धन को व्यय करे।

19. निधि का उपयोग :—पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, प्रबन्ध समिति को निधि के नियंत्रण और प्रशासन करने की और उसे या उसके किसी भाग को उपयोग करने की शक्ति होगी जैसा कि निधि के उद्देश्यों के लिए साधक समझे।

20. विक्रय और धन का विनिधन :—प्रबन्ध समिति केन्द्रीय सरकार से यह निदेश करने के लिए निवेदन कर सकती है कि भारतीय पूर्त विन्यास कोषपाल उसमें निहित निधि की किसी सम्पत्ति का विक्रय कर दे या अन्यथा उसका निपटान कर दे और केन्द्रीय सरकार की मंजूरी से विक्रय के और सम्पत्ति के अन्य निपटान के आगमों की और निधि के उद्देश्यों के लिए तुरन्त उपयोग के लिए अनुमोदित किसी धन या सम्पत्ति को धन की ऐसी प्रतिभूति में विनिहित कर सकेगा जिसकी प्रबन्ध समिति द्वारा प्रस्थापना

कई जाए और जो निवेश में या स्थावर सम्पत्ति के क्रय में विनिवृष्ट की जाए।

21. अतिरिक्त बिन्यासों की प्राप्ति :—प्रबन्ध समिति का किसी धन की और निधि के सम्पत्ति की वृद्धि करने के लिए या निधि के साधारण प्रयोजनों के लिए कोई भी अतिरिक्त बिन्यास, संदान या अन्य अभिदाय प्राप्त कर सकेगी और इस स्कीम से सम्बद्ध किसी ऐसे विशेष प्रयोजनों के लिए बिन्यास, संदान या अन्य अभिदाय प्राप्त कर सकेगी जो इस स्कीम के उपबन्धों के सम्यक् कार्यकरण से असंगत न हों या उसमें अक्षम करने के लिए प्रकल्पित न हों।

[का० सं० 106-एस०बी० (1)/77]

ए० एस० बेदी

उप सचिव (नौ सेना-2)

MINISTRY OF DEFENCE

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT, 1890

AND

IN THE MATTER OF THE SERVICES WELFARE FUND

New Delhi, the 18th May, 1978

S.R.O. 177.—Whereas the Secretary, Kendriya Sainik Board, Ministry of Defence (and of the Services Welfare Fund) being the person, who proposes to apply the "Services Welfare Fund" (hereinafter referred to as the Fund) in trust for Charitable objects has applied for vesting the Fund described in Schedule 'A' annexed hereto, in the Treasurer of Charitable Endowments for India and for the settlement of a scheme for the administration of the Fund ;

It is hereby notified that the Central Government in exercise of the powers conferred by sections 4 and 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), and upon the application as aforesaid and with the concurrence of the said Secretary, doth hereby orders and directs that the money set out in the aforesaid Schedule 'A' shall, as from the publication of this Notification, vest and be henceforth vested, in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successors in office (subject to the provisions of the said Act, and the rules framed thereunder, from time to time, by the Central Government) upon trust to hold the Fund and the income thereof in accordance with the trusts and the terms set out in the scheme set forth in Schedule 'B' annexed hereto for the administration of the Fund ;

And it is hereby further notified that upon the application as aforesaid and with the concurrence of the said Secretary, the Central Government has under sub-section (1) of section 5 of the said Act settled the Scheme set forth in Schedule 'B' annexed hereto for the administration of the said endowment and under sub-section (3) of the said section 5 of the said Act, it is hereby further ordered that it shall come into force from the date of publication of this notification

SCHEDULE 'A'

A sum of Rs. 30 lakhs invested in scheduled banks

SCHEDULE 'B'

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT, 1890

AND

IN THE MATTER OF THE SERVICES WELFARE FUND

Scheme for the administration of the Funds

1. Definitions.—In this Scheme, unless the context otherwise requires,

(a) "Fund" means the Services Welfare Fund ;

(b) "Year" means the financial year ending with the 31st day of March.

2. Objects of the Fund.—The objects of the Fund shall be :—

(i) to meet the financial liability resulting from the revision of pay scales of the Indian Red Cross Society Welfare Officers serving in Armed Forces Hospitals ;

(ii) to meet expenditure in connection with the Medical after care of ex-servicemen.

3. Extent.—The said objects shall extend to the whole of India.

4. Assets of the Fund.—In addition to the money set out in Schedule 'A' the assets of the Fund shall include grants from Government as well as donations and voluntary endowments whenever given or received.

5. Vesting of Assets.—The assets of the Fund shall be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India under the Scheme.

6. Management of the Fund.—The Treasurer of Charitable Endowments for India shall not act in the management or administration of the Fund, but subject to any general or special directions given by the Central Government, such management and administration shall be vested in and rest with the Managing Committee as hereinafter mentioned.

7. Managing Committee.—For the management and administration of the Fund, a Managing Committee shall be constituted, which shall consist of :—

Director General Resettlement Ministry of Defence	Chairman
Additional Financial Adviser, Ministry of Finance (Defence)	Member
Deputy Director General, Armed Forces Medical Services	"
Director of Nursing Services	"
Secretary General, Indian Red Cross Society	"
Secretary Kendriya Sainik Board, Ministry of Defence	Member Secretary

Note :—In the absence of the Chairman, the senior member present shall act as the Chairman.

8. Provision regarding the Members of the Managing Committee—

(1) Where a person becomes a Member of the Managing Committee by reason of the office he holds, his membership shall terminate when he ceases to hold that office and his successor in office shall unless otherwise directed by the Central Government, be deemed to have been nominated in his vacancy.

(2) Subject to the preceding sub-clause, a Member of the Managing Committee shall cease to be such Member if he dies, resigns, becomes of unsound mind, becomes insolvent, is convicted of a criminal offence involving moral turpitude, or is removed by the Central Government or is transferred from his present office.

(3) A resignation of membership shall be tendered to the Chairman of the Managing Committee and shall not take effect until it is accepted on behalf of the Committee by the Chairman.

(4) Subject to the provisions of sub-clause (1), any vacancy in the Managing Committee caused by any of the reasons mentioned in sub-clause (2) shall be filled by nomination by the Central Government.

9. Conduct of Business.—(1) The Managing Committee may meet together for the conduct of business, adjourn and otherwise regulate its meetings and proceedings as may be determined by the bye-laws.

(2) Unless otherwise determined, the quorum for a meeting of the Managing Committee shall be three Members.

(3) A meeting of the Managing Committee at which a quorum is present shall be competent to exercise all or any of the functions of the Committee.

(4) Every matter shall be determined by a majority of votes of the Members present and voting on the question and in case of equality of votes the person acting as the Chairman shall have a casting vote.

10. Functions of the Managing Committee.—The Managing Committee shall function notwithstanding that any person who is entitled to be Member by reason of his office is not a Member for the time being and notwithstanding any other vacancy in the Managing Committee and no act or proceeding of the Managing Committee shall be invalid merely by reason of the happening of any of the above events or of any defects in the appointment of any Member of the Managing Committee.

11. Framing of Bye-Laws.—The Managing Committee shall make bye-laws for the regulation, management and for any other purpose connected with the execution of the Fund and the trusts thereof and may alter, vary or rescind the same from time to time.

12. Members of the Managing Committee not entitled to Remuneration.—Members and Secretary of the Managing Committee shall not be entitled to any remuneration but shall be entitled to be re-imbursed their actual travelling expenses in respect of journeys undertaken to attend the meeting of the Managing Committee or for the purposes connected with the administration of the Fund.

13. Appointment of Staff.—(1) The Managing Committee shall appoint such staff as it may consider necessary.

(2) The remuneration of any staff so appointed shall be fixed by the Managing Committee.

14. Deposit of Moneys.—All moneys received shall be deposited in one or more accounts at the State Bank of India or any other Scheduled Bank approved in this behalf by the Central Government.

15. Accounts and Audit.—(1) Regular accounts shall be kept of all moneys and properties belonging to the Fund and shall be audited by a Chartered Accountant or a firm of Chartered Accountants or any other recognised auditor as may be appointed by the Managing Committee.

(2) The auditor shall also certify that the expenditure from the Fund has been correctly incurred in accordance with the objects of the Fund.

(3) Copies of the annual account of the Fund duly audited and certified by the auditor of the Fund shall be submitted to the Managing Committee every year.

16. Operation of the Fund.—The Fund shall be operated on behalf of the Managing Committee jointly by the Director General Resettlement, Ministry of Defence and the Secretary Kendriya Sainik Board, Ministry of Defence.

17. Contracts.—All contracts and other assurances shall be in the name of the Managing Committee and signed on its behalf by the Director General Resettlement, Ministry of Defence and the Secretary, Kendriya Sainik Board.

18. Use of the Fund.—It shall be lawful for the Managing Committee to expend the moneys in the Fund for the objects of the Fund as mentioned above.

19. Application of the Fund.—Subject to the provisions of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890) the Managing Committee shall have the power to control and administer the Fund and to apply the same or any part thereof as they may consider conducive to the objects of the Fund.

20. Sale and Investment of Moneys.—The Managing Committee may request the Central Government to direct the Treasurer of Charitable Endowments for India to sell or otherwise dispose of any property of the Fund vested in him and, with the sanction of the Central Government, to invest the proceeds of the sale or other disposal of property as well as any moneys or property not immediately required to be used for the objects of the Fund in such security for moneys as may be proposed by the Managing Committee and specified in the direction or in the purchase of immovable property.

21. Receipt of Additional Endowments.—The Managing Committee may receive any additional endowments, donations or other contributions in augmentation of any of the moneys and properties of the Fund or for general purposes of the Fund and it may also receive endowments, donations or other contributions for any special purposes connected with this Scheme not inconsistent with or calculated to impede the due working of the provisions of this Scheme.

[File 106-SB(1)/77]

A. S. BEDI, Dy. Secy

नई दिल्ली, 24 मई, 1978

का० नि० आ० 178.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पैदल सेना विद्यालय, मद्रास में सिविलियन राजपत्रित अधिकारी श्रेणी 2 (उत्पादन) के सिविलियन समूह 'ख' पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पैदल सेना विद्यालय सिविलियन राजपत्रित अधिकारी श्रेणी 2 (उत्पादन) भर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो; उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण संख्या	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	
1	2	3	4	5	6	7
सिविलियन राजपत्रित अधिकारी श्रेणी 2, (उत्पादन)	एक	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, वर्ग 2, राजपत्रित, अलिपिकवर्गीय	650-30-740-35-810-द०रो०-35-880 40-1000-द०रो०-40-1200 रु०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : कार्यालय अधीक्षक श्रेणी 1, जिसने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की हो, जिसके न हो सकने पर, कार्यालय अधीक्षक श्रेणी 1 और कार्यालय अधीक्षक श्रेणी 2 की श्रेणियों में कुल	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे : 1. रक्षा मंत्रालय के दो संयुक्त सचिव, जिनमें से एक	संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श तब तक आवश्यक नहीं है जब तक कि किसी समय भर्ती नियमों के उपबन्धों	

मिलाकर 8 वर्ष की नियमित
सेवा हो।

अध्यक्ष होगा।
2. ऐसे संयुक्त सचिव,
जो अध्यक्ष नहीं
हैं, की अनुपस्थिति
में, रक्षा मंत्रालय
का निदेशक या उप-
सचिव उसका प्रति-
निधित्व कर सकता
है।

3. निदेशक,
सैनिक प्रशिक्षण या
समुचित प्राप्ति
का उसका प्रतिनिधि।

के० पी० भटनागर, अवर सचिव

New Delhi, the 24th May, 1978

S.R.O. 178.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the civilian Group 'B' post of the Civilian Gazetted Officer Grade II (Production) in the Infantry School Mhow, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Infantry School Civilian Gazetted Officer Grade II (Production) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post classification, scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit and other matter relating thereto shall be as specified, in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection or Non-Selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Civilian Gazetted Officer Grade II (Production)	One	Civilians in Defence Services Class II Gazetted Non-Ministerial.	'Rs. 650-30-740-35-810- EB- 35-880- 40-1000- EB-40-1200.	Selection	Not applicable.	Not applicable.

Whether age and educational qualifications for direct recruits apply in case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion, deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion, transfer, grades from which Promotions/transfer/deputations to be made.	If a departmental promotion committee exists, what is its composition.	Circumstances in which union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion : Office Superintendent Grade I with three years' regular service in the grade, failing which 8 years total regular service in the grades of Office Superintendent Grade I and Office Superintendent Grade II combined together.	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Two Joint Secretaries of the Ministry of Defence one of whom will be the Chairman. 2. The Joint Secretary who is not Chairman, may, in his absence, be represented by a Director or Deputy Secretary of the Ministry of Defence. 3. Director, Military Training, or his representative of appropriate status.	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary, unless it is intended to relax, at any time, the provisions of the recruitment rules.

K. P. BHATNAGAR, Under Secy.

